

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु/ पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: मानवीय गुण पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-4अ/1 विषय वस्तु- दीवानों की हस्ती उपविषय वस्तु :- अ) कवि का परिचय । आ) स्वच्छन्द मनोवृत्ति। इ) जीवन मूल्य ई) सृजनात्मकता पाठ्येतर विषय वस्तु * चरित्र कथा लेखन * कलात्मक प्रस्तुति * सूची निर्माण	विद्यार्थी :- अ) कवि के साहित्यिक योगदान से परिचित होंगे । आ) कवियों की स्वच्छंद एवं सौहार्द पूर्णता से परिचित हो सकेंगे इ) कविता से प्रेरणा ले कविता में निहित जीवन मूल्यों को आत्मसात् कर सकेंगे । ई) प्रसिद्ध चरित्रों को जान सकेंगे ।	विद्यार्थी :- अ) कवि 'भगवतीचरण वर्मा' के साहित्यिक योगदान को जानकर उनकी अन्य रचनाओं की सूची बना सकेंगे । आ) 'सर्वजन हिताय' साहित्य की रचना करने वाले किसी एक कवि की प्रासंगिकता स्पष्ट करते हुए कलात्मक प्रस्तुति तैयार कर सकेंगे इ) आत्मविश्वास, दृढ़निश्चय एवं सर्व कल्याण जैसे मूल्यों को अपनाने के समर्थन में तर्क दे सकेंगे । ई) एक-एक नारा लिखते हुए विश्व-प्रसिद्ध अथवा इतिहास प्रसिद्ध चरित्र की कथा को लिखने साहित्य की चरित्र-कथा लिख सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:- एक-एक नारा लिखते हुए विश्व-प्रसिद्ध अथवा इतिहास प्रसिद्ध चरित्र की कथा को लिखने से संबन्धित ।

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-4अ/ 1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-4अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित यति गति लय के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए कविता पाठ करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश की व्याख्या का प्रयास करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में कविता के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे। क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-4अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-4अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे :- परिशिष्ट संख्या :-4आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-4आ/2 उचित यति गति लय के साथ कविता के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे । पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-4आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे । परिशिष्ट संख्या :-4आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि अन्तःविषय संबंध :- , कर्तव्य बोध, जीवन मूल्य, सामाजिक ज्ञान ।
विद्यालय परिसर:- विद्यालय परिसर से कुछ मनमौजी लोगों के नाम का चयन कर लिखेंगे।

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -4अ/1

संभावित उत्तर

- प्रश्न.1-आप सबसे ज़्यादा प्रसन्न कब होते हो ? जब हमें वो करने दिया जाए जिसका हमारा मन करे ।
- प्रश्न.2- क्या आप हमेशा वह सब कर सकते हैं जो आपका मन हो? नहीं ।
- प्रश्न.3- जो व्यक्ति हमेशा अपने मन की करता है, उसे क्या कहते हैं ? मनमौजी ।
- प्रश्न.4- क्या मनमौजी होना सही है ? समस्यात्मक
- कथन:- आइये 'दीवानों की हस्ती ' पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि ये मनमौजी होना कहाँ तक ठीक है ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -4अ/2

- *कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।
 - *प्रत्येक समूह एक A 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।
 - *समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।
 - *अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देगी।
- (यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी छात्र चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती है ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -4अ/3

- कक्षा के विद्यार्थियों को चार-चार के समूह में विभाजित किया जाएगा ।
- सभी समूहों को एक-एक नारा लिखते हुए विश्व-प्रसिद्ध अथवा इतिहास प्रसिद्ध चरित्र की कथा को लिखने का निर्देश दिया जाएगा ।
- कथा 100 शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए ।
- कथा की भाषा सरल एवं मुहावरेदार होनी चाहिए ।
- कथा का उपयुक्त शीर्षक भी होना चाहिए ।
- यदि संभव हो तो सचित्र प्रस्तुति भी दी जा सकती है ।
- विद्यार्थी अपनी चरित्र-कथा को कक्षा में सुनाएंगे ।
- लिखित चरित्र-कथा अध्यापिका को देंगे तथा वे उनका मूल्यांकन करेंगी ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

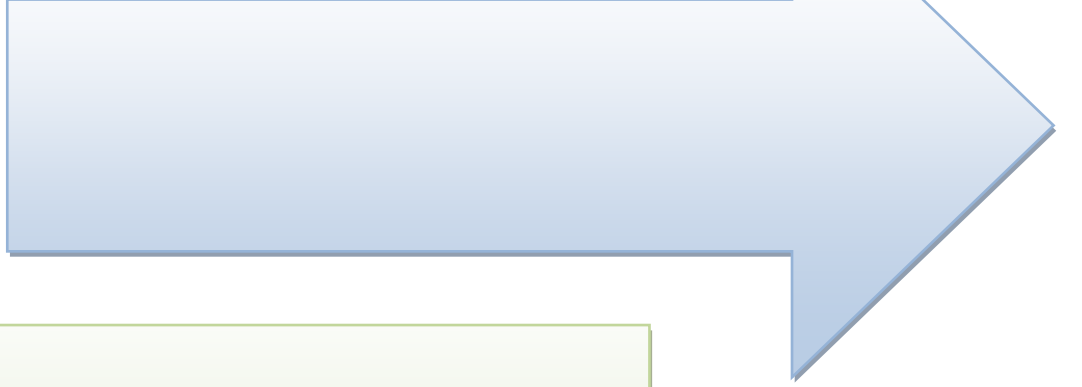
क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -4अ/4

पाठ : दीवानों की हस्ती
विद्यार्थी का नाम :

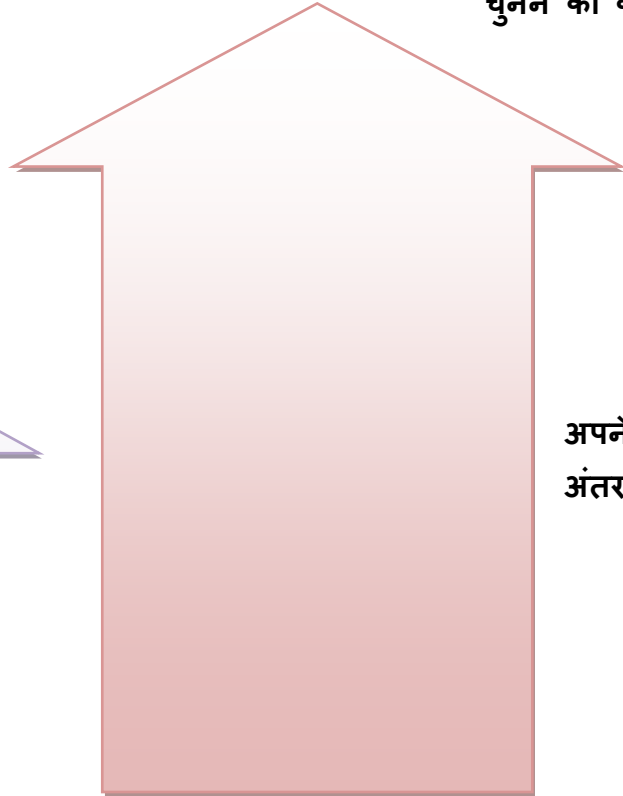
गतिविधि : चरित्र कथा लेखन
अनुक्रमांक :

गतिविधि से पूर्व भारत के
महापुरुषों के
व्यक्तित्व का ज्ञान :



पात्र विशेष को
चुनने का कारण

गतिविधि करते हुए उस
पात्र विशेष के व्यक्तित्व
से सीखा :



अपने व्यक्तित्व में
अंतर का अनुभव

